महत्वपूर्ण एवं खास

सीआईएसएफ के स्थापना दिवस पर सीएमडी एसईसीएल रहे मुख्य अतिथि

कोरबा। सीएमडी एसईसीएल डॉ प्रेम सागर मिश्रा, ने शनिवार को गेवरा क्षेत्र में सीआईएसएफ के स्थापना दिवस के अवसर पर एसईसीएल बिलासपुर यूनिट द्वारा आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। मिश्रा ने मार्च पास्ट का निरीक्षण किया एवं परेड टुकड़ी की सलामी ली। सीआईएसएफ की टुकड़ी द्वारा वन मिनट ड्रिल, कर्व मग, रीफ़्लेक्स शूटिंग डेमो आदि का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में यूनिट कमांडेंट द्वारा सीआईएसएफ की गतिविधियों से संबंधित जानकारी दी गई। इस अवसर पर अपने अभिभाषण में सीएमडी एसईसीएल डॉ मिश्रा ने सीआईएसएफ कर्मियों एवं उनके परिजनों को स्थापना दिवस की बधाई दी तथा राष्ट्रीय परिसम्पत्तियों एवं संस्थानों की सुरक्षा में उनके प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

महिला से 2.60 लाख की ऑनलाइन ठगी

रायपुर (आरएनएस)। एक महिला को ऑनलाइन कोरियर डिलीवरी बॉय से फोन में बात करना महंगा पड़ा। डिलीवरी बॉय ने महिला को झांसे में लेकर उससे उसके खाते का नंबर एवं यूपीआई पिन पुछ कर उसके खाते से 3 बार में 02 लाख 60 हजार रकम आहरण कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सुंदरनगर डीडी नगर निवासी एन कविता देव पति एन एस देव 47 वर्षीय ने कोरियर करने के लिये गूगल पर सर्च कर कोरियर डिलीवरी बॉय का फोन नंबर धारक मनीष कुमार से संपर्क किया। आरोपी ने रजिस्ट्रेशन फील करने के लिये महिला से उसके बैंक खाता नंबर पता एवं यूपीआई नंबर की जानकारी मांगी जिसे प्रार्थिया ने दे दिया। इसके बाद प्राथिया के खाते से 03 बार में 02 लाख 60 हजार 701 रुपये आरोपी द्वारा आहरण कर लिया। पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 420 के तहत अपराध दर्ज कर उसे तलाश कर रही है।

दहेज की मांग करने वाले आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

धमतरी (आरएनएस)। मामले का विवरण इस प्रकार हैं कि प्रार्थिया रत्ना साहू पति टाकेश साहू उम्र 37 वर्ष साकिन कुण्डेल (हाल करेलीबडी) चौकी करेलीबड़ी थाना मगरलोड़ जिला धमतरी द्वारा लिखित शिकायत प्रस्तुत किया गया था। जिसमें अनावेदक / आरोपी पति टाकेश कुमार साहू पिता स्व0 कल्याण साहू , सास उमाबाई साहू पति स्व0 कल्याण साहू , ननंद दामिनी साहू पति थानेश्वर साहू एवं चुनेश्वरी साहू पति भुपेश कुमार साहू सभी निवासी ग्राम कुण्डेल चौकी करेलीबड़ी थाना मगरलोड़ के खिलाफ दहेज के नाम पर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित कर दहेज मांग करने के संबंध में शिकायत प्रस्तुत किया गया था। मामला पति - पत्नी से संबंधित होने सेदोनों पक्षों को परिवार परामर्श केन्द्र धमतरी में बुलाकर काउसिंलिंग भी कराया गया ,परन्तु सुलह नही हुआ।प्रार्थिया श्रीमती रत्ना साहू के शिकायत की जांच उप पुलिस अधीक्षक (अजाक) धमतरी द्वारा किया सम्पूर्ण शिकायत जांच पर प्रार्थिया को अनावेदकों/आरोपियों द्वारा दहेज कम लाये हो कहकर मानसिक एंव शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना पाया गया है जो अनावेदकों / आरोपियों के विरूद्ध अपराध धारा 498 (ए) 34. भादवि0 एवं धारा 3 , 4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम का अपराध घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक धमतरी प्रशांत ठाकुर के द्वारा त्वरित कार्यवाही के निर्देश पर अति0पुलिस अधीक्षक निवेदिता पॉल एवं अभिषेक केसरी एसडीओपी कुरूद के मार्गदर्शन में निरी0 प्रणाली वैद्य थाना प्रभारी मगरलोड एवं उप निरी0संतोष साहू चौकी प्रभारी करेलीबडी द्वारा त्वरित कार्यवाही कर आरोपियों को अपराध कायमी के चंद घंटे बाद गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में न्यायालय पेश किया गया।

संगठित समाज ही विकास की धारा में आगे बढ़ता है : मुख्यमंत्री बघेल

- -नरवा योजना से राज्य में जल संरक्षण में होगी वृद्धि
- -समाज के 38 प्रतिभावान छात्रों को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित
- -कुर्मी छात्रावास और सामुदायिक भवन के लिए 20-20 लाख रुपए की घोषणा
- -छतौद में आयोजित छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के राज अधिवेशन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज तिल्दा विकासखंड के ग्राम छतौद में आयोजित छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के 76वें वार्षिक राज अधिवेशन में शामिल हुए। तिल्दा राज इकाई प्रधान ठाकुर राम वर्मा की अगुवाई में समाज के प्रतिनिधियों और स्व- जनों ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री बघेल ने इस अवसर पर कहा कि समाज के विकास में सबकी भागीदारी जरूरी है। इससे समाज में एकता और संगठन का विकास होता है। सभी के एक होने से समाज में सामाजिक समरसता का विकास होगा। समाज के बिना हम सब अधूरे है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि संगठित समाज ही विकास की धारा में आगे बढ़ता है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि कोरोना ने सामाजिक और परिवारिक जीवन को प्रभावित किया है। इसके बाद भी सामाजिक गतिविधियां निरंतर बना रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के पूर्वजों की देन है कि हमारी सामाजिक व्यवस्था और एकता बनी रही है।समाज के लिखित संविधान के अनुसार समाज का संचालन किया जा रहा है। इसमें आवश्यकतानुसार परिवर्तन,परिवर्धन और संशोधन किया जाता रहा है।सामाजिक लोगों ने सभी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया है।आर्थिक और शैक्षणिक क्षेत्र में निरंतर वृद्धि के साथ-साथ बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा।जब स्वस्थ अच्छा रहेगा तो मन भी स्वस्थ रहेगा।बच्चों को संस्कारवान बनाएं,लडक़ा और लडक़ी में भेद ना करें।हम सभी को आर्थिक रूप से मजबूत होना होगा। किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।उनके आर्थिक स्थिति में परिवर्तन हुआ है और उसे और मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पानी की समस्या को दूर करने के लिए नरवा योजना का संचालन किया जा रहा है।भविष्य के लिए जल संरक्षण बहुत जरूरी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में गोधन योजना से रोजगार और आय के नए स्रोत प्रारंभ हुए हैं। जिसके पास पहले कोई रोजगार नहीं होता था, वे गोबर बेचकर लाभ कमा रहे हैं।इसी तरह सरकार गोठान योजना के माध्यम से गोधन की रक्षा कर रहा है।गौठान में वर्मी कंपोस्ट का निर्माण किया जा रहा है।गोधन न्याय योजना की पूरे देश में सराहना की जा रही है।गांव की परंपरा को पुनर्जीवित करने का काम सरकार द्वारा किया जा रहा है।योजनाओं को चलाने के लिए सभी की भागीदारी जरूरी है।गौठान में पैरा दान करें।खेतों में फसल उत्पादन के लिए वर्मी कंपोस्ट का उपयोग कर बीमारियों से बचा जा सकता है।उन्हीने कहा कि केवल सरकारी नौकरी में ध्यान ना दे, व्यवसाय के तरफ लोगों को ध्यान देना होगा। वर्तमान में खेती के रकबा में वृद्धि हुआ है और इसके प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है,देसी उत्पादों की खरीदी के लिए मूल्य निर्धारित किया जा रहा है सभी गांव में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क बनाया जाएगा गांधी जी के सपनों को साकार करने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बघेल ने तिल्दा राज में कुर्मी छात्रावास और सामुदायिक भवन के लिए 20-20 लाख रुपए की घोषणा की।कार्यक्रम में प्रतिभावान 38 बच्चों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के केंद्रीय अध्यक्ष चोवा राम वर्मा,दुर्ग के सांसद विजय बघेल, पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष सीताराम वर्मा, राज्यसभा सांसद श्रीमती छाया वर्मा,पूर्व विधायक जनकराम वर्मा, श्रीमती लक्ष्मी वर्मा,रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष टंक राम वर्मा, तिल्दा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमति सुमन नायक, धरसींवा जनपद पंचायत अध्यक्ष चंद्रकांत वर्मा, तिल्दा की जनपद सदस्य श्रीमती स्वाति वर्मा सहित छतौद की सरपंच श्रीमति कविता वर्मा और बड़ी संख्या में मनवा कुर्मी समाज के लोग मौजूद रहे।

जंगल में जला शव मिलने के बाद वाहन जब्त, फोरेंसिक जांच शुरू

कोरबा। करतला जंगल में पतासाजी के दौरान एक स्थान से 22 वर्षीय कृष्णा गंगवार का वाहन संख्या सीजी-11 एके-4055 आज जप्त कर लिया गया है। वहीं उसकी मौत को लेकर फारेंसिक जांच शुरू कर दी गई है। सामान बेचने के लिए निकलने के बाद करतला क्षेत्र में उसकी जिंदगी समाप्त हो गई। जली स्थिति में शव मिलने पर पुलिस ने कई स्तर पर जांच प्रारंभ की है। फिलहाल किसी नतीजे तक पुलिस नहीं पहुंची है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार पुरानी बस्ती निवासी कृष्णा फेरी लगाकर सामान बेचने के काम से जुड़ा हुआ था। गुरुवार को वह रामपुर जाने की बात कहकर घर से निकला था। शेड्यूल के अंतर्गत जब उसकी वापसी नहीं हुई तो परिजन चिंतित हुए और यहां-वहां तलाश की। मोबाइल स्वीच ऑफ दिखाने के बाद आखिरकार रामपुर पुलिस को इस बारे में सूचना दी गई। इस बीच करतला पुलिस से मिली सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे जहां पर जला हुआ शव पाया गया। इसकी पहचान कृष्णा के रूप में की गई। शव में अनेक स्थानों पर किसी चीज से हमला करने के निशान भी पाए गए। इस आधार पर निष्कर्ष निकाला गया है कि कृष्णा को मारने के बाद पहचान छिपाने के इरादे से जला दिया गया है। पुलिस ने 302 का प्रकरण कायम करने के साथ आगे की कार्यवाही जारी रखी है।

सीएसपी योगेश साहू ने बताया कि कृष्णा की मौत के मामले में फोरेंसिंक जांच प्रारंभ हो गई है। शुरुआती स्तर पर ही मामला हत्या से जुड़ा पाया गया। इसलिए संबंधित अधिकारियों को इस बारे में अवगत कराया गया। अगली कड़ी में जांच को लेकर विधि विज्ञान विशेषज्ञों के माध्यम से जांच कराई जा रही है। पुलिस ने परिजनों और अन्य संबंधितों से भी पूछताछ करना तय किया है। संभव है कि जल्द ही इस मामले की कडिय़ों को जोड़ दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ महिला सद्भावना सम्मान समारोह का आयोजन कल

रायपुर (आरएनएस)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिव के अवसर पर छत्तीसगढ़ महिला सद्भावना सम्मान समारोह का आयोजन 8 मार्च को सिविल लाईन्स स्थित वृदावन हॉल सभागार में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए समिति के संरक्षण छबिलाल सोनी एवं कार्यक्रम संयोजक लक्ष्मी नारायण लाहोट ने बताया कि इस वर्ष 100 महिलाओं का सम्मान किया जा रहा है। कार्यक्रम के जरिये विभिन्न क्षेत्रों में सर्वोच्च कार्य करने पर महिलाओं को सम्मानित किया जा रहा है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि डॉ. आरती उपाध्याय, उर्मिला देवी, डॉ. सोनल जैन,रितु दमन सिंह, रविन्द्र सिंह, नंदकुमार वर्मा, ललित सेठिया उपस्थित होंगे।

जमीन घोटाला मामला, पुलिस की विशेष टीम करेगी जांच

कोरबा। जिले में तरदा हरदीबाजार और पतरापाली से कोरबा के मध्य निर्मित होने वाले क्रमश: फोरलेन एवं नेशनल हाईवे-130 के लिए जमीन का अधिग्रहण और मुआवजा के मामले में जांच तेज हो गयी है। रोक लगाने के बाद भी फोरलेन व नेशनल हाईवे के मार्ग में आने वाले जमीनों को ज्यादा मुआवजा के लिए अनेक छोटे-छोटे टुकड़ों में रजिस्ट्री करने/कराने की जांच अब पुलिस की विशेष टीम करेगी। कोतवाली में अपराध क्र. 58/2022 एवं 60/2022 पर पृथक-पृथक अपराध धारा 420, 120 बी के तहत दर्ज किया गया है।

जनवरी माह में दर्ज हुई इन दोनों एफआईआर के बाद जांच में तेजी लाई गई है। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने दोनों प्रकरणों की त्वरित विवेचना के लिए एएसपी अभिषेक वर्मा के पर्यवेक्षण में 6 सदस्यीय टीम गठित की है। इस टीम कोरबा सीएसपी योगेश कुमार साहू, थाना प्रभारी कोतवाली रामेन्द्र सिंह, बालको थाना प्रभारी विजय चेलक, सायबर सेल प्रभारी एसआई कृष्णा साहू, एएसआई गणेशराम महिलांगे एवं प्रधान आरक्षक लक्ष्मीकांत खरसन को शामिल किया गया है।

रोजगार की मांग को लेकर भूविस्थापितों ने शुरू किया धरना प्रदर्शन

कोरबा। भू-विस्थापित रोजगार एकता संघ द्वारा एसईसीएल की खदानों से विस्थापित किसानों को पर्याप्त मुआवजा व रोजगार दिये जाने की मांग को लेकर कुसमुण्डा एरिया आफिस के सामने धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। जो 127वें दिन भी जारी रहा।

आज संघ से जुड़े जय कौशिक, रघुनंदन यादव, हेमलाल इसके समर्थन में पण्डाल में पहुंचे और अनशन पर बैठ गये। उन्होंने किसानों की मांग को जायज बताते हुए शीघ्र पूरा किये जाने मांग एसईसीएल प्रबंधन से की। ज्ञात रहे एसईसीएल प्रबंधन द्वारा कुसमुण्डा परियोजना के लिए जरहाजेल, खम्हरिया, बरमपुर, पाली पड़निया सहित एक दर्जन से अधिक गांवों की जमीन अधिग्रहण की गई है। लेकिन जमीन अधिग्रहण के बाद विस्थापित हुए परिवारों को न तो उचित बसाहट दी गई है। और नहीं मुआवजा व नौकरी। जिससे भू-विस्थापितों में भारी नाराजगी है। वे अपनी मांगों को लेकर कुसमुण्डा कार्यालय के सामने लंबे समय से प्रदर्शन कर रहे है। लेकिन अब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो सकी है।

सिंघाली माइंस को संरक्षा पुरस्कार देगा श्रम मंत्रालय

कोरबा। कोरबा जिले में एसईसीएल की सिंघाली भूमिगत माइंस को राष्ट्रीय श्रम मंत्रालय के संरक्षा पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। इसी कंपनी की सात और खदानें इस पुरकस्कार की पात्र मानी गई हैं। इसी महीने यह पुरस्कर दिया जाएगा।

बताया गया कि इनमें कोल इंडिया की सबसे बड़ी अनुषांगिक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की आठ खदानें भी सम्मिलित हैं। आठ मार्च को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में चयनित खदानों के प्रबंधन को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इस समारोह में चार साल 2017, 2018, 2019 एवं 2020 के पुरस्कार दिए जाएंगे। राष्ट्रीय खान सुरक्षा पुरस्कार केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा दिया जाता है। एसईसीएल की इन खदानों को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। राजेन्द्र भूमिगत 2017, सिंघाली भूमिगत 2018, चरचा माइन आरओ 2019, कुरासिया कॉलरी 2019, कुर्जा भूमिगत कॉलरी 2019, बरतराई भूमिगत कॉलरी 2020,जगन्नाथचपुर ओपनकास्ट माइन 2020, शिवानी अंडरग्राउंड माइन को 2018 एवं 2020 के लिए दो अलग-अलग श्रेणी का पुरस्कार मिलेगा।

लंबे समय से दुर्घटना रहित खदान, न्यूनतम इंज्यूरी तथा इसी श्रेणी में न्यूनतम इंज्यूरी रेट के आधार पर राष्ट्रीय खान सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किया जाता है। पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करना होता है। कोल सेक्टर में शून्य दुर्घटना लक्ष्य के अंतर्गत काम करने को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत कई प्रकार के तौर तरीके अपनाए जा रहे हैं। सिंघाली माइंस को पुरस्कृत किये जाने के पीछे इस मानक की भूमिका रही है। प्रबंधन के अधिकारियों ने एसईसीएल माइंस को राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुने जाने पर खुशी जताई है। कहा गया है कि इससे कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाना संभव होगा और नए उत्पादन लक्ष्य की पूर्ति के लिए प्रेरणा प्राप्त होगी।

एसईसीएल ने दिया नौकरी और मुआवजा का भरोसा, प्रदर्शन समाप्त

कोरबा। एसईसीएल ने आखिरकार एक मामले में पीड़ित को नौकरी और मुआवजा देना तय किया। इस आश्वासन के साथ गेवरा खदान के पास चल रहा प्रदर्शन समाप्त हो गया। इससे पहले भूमिस्वामी के प्रदर्शन के कारण खदान क्षेत्र में ओबी और अन्य गतिविधियां बाधित रहीं।

साउथ इस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड एसईसीएल की गेवरा खदान में ग्राम रलिया निवासी प्रदीप राठौर पिता स्व भैयाराम राठौर के भूमि को वर्ष 2004 व 2009 के दौरान कुल तीन एकड़ आठ डिसमिल जमीन को अधिग्रहण कर लिया गयाए पर अभी तक न तो नौकरी दी गई और नहीं ना ही मुआवजा। इससे प्रभावित ग्रामीण काफी परेशान रहा और एसईसीएल कार्यालय का चक्कर काटते रहा। इस बीच प्रबंधन ने बिना सूचना दिए मिट्टी खुदाई का काम चालू कर दिया। इसकी जानकारी मिलते ही भू-स्वामी प्रदीप राठौर स्थल पर पहुंचा और मिट्टी खुदाई कर रही सावेल मशीन समेत अन्य भारी वाहनों को बंद कराया। उसका कहना है कि एसईसीएल उसकी जमीन के समीप पहुंच चुका है और कभी भी खोदाई का काम कर सकता है। ऐसी स्थिति में उसे न तो मुआवजा मिलेगा और नहीं पुनर्वास व नौकरी। प्रबंधन पहले उसकी समस्या का निदान करे, उसके बाद काम शुरू कर दिया जाएगा। राठौर अपने खेत के समीप बैठ गयाए, ताकि काम आगे न बढ सके। उत्खनन काम बंद होने से एसईसीएल की ओर से कोई भी सक्षम अधिकारी वार्ता करने सामने नहीं आ रहा।

इधर कामकाज बाधित होने से कई प्रकार की दिक्कतें खड़ी होने से उपर के अधिकारी सख्ते में आए। बताया गया कि उच्च स्तर से निर्देश मिलने पर अधिकारियों ने इलाके का जायजा लिया और संबंधित भूमि स्वामी बातचीत की। समस्या जानने के साथ उसे आश्वस्त किया गया कि एक सप्ताह के भीतर प्रकरण का निपटारा हर हाल में कर दिया जाएगा। इस पर भरोसा करते हुए प्रदर्शन को समाप्त कर दिया गया। एसईसीएल से प्रभावित राठौर परिवार का कहना है कि तीन एकड़ से ज्यादा जमीन खनन क्षेत्र में आ रही है। कई वर्ष पहले इस मामले का समाधान हो जाना था लेकिन बार-बार एक्ट की आड़ लेकर भ्रमित किया जाता रहा है। हमने अपनी बात हर स्तर पर बता दी है। मुआवजा और दूसरी सुविधाएं भी हमें चाहिए। यथारूप में परिणाम नहीं आने पर फिर पुराने ढर्रे पर आना होगा।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कृष्ण सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी साकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में बालको का योगदान उत्कृष्ट

कोरबा। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने महिला सशक्तिकरण को अपनी कार्य शैली का महत्वपूर्ण अंग बनाया है। बालको का यह मानना है कि सशक्त नारियों के योगदान से ही समाज और देश की चहुंमुखी प्रगति संभव है। बालको ने सदैव ही विविधतापूर्ण कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित किया है। सीखने के आधुनिक तरीकों ने महिला सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यही वजह है कि चाहे प्रत्यक्ष रोजगार के माध्यम से महिलाओं को सामाजिक-आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने की बात हो या फिर सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के जरिए उन्हें सबल बनाने की बात, महिला सशक्तिकरण के हर मोर्चे पर बालको पूरी मुस्तैदी से तैनात है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक अभिजीत पति कहते हैं कि ''हम महिला कार्यबल का अनुपात 50 फीसदी तक ले जाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसके लिए देश के विभिन्न महाविद्यालयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को मौके दिए जा रहे हैं। डिजीटल शक्ति से परिपूर्ण दुनिया में महिलाएं और भी ऊर्जावान हो रही हैं। अपने सपनों को पूरा करने के लिए वे हर कार्य करने में सक्षम हैं।हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि महिला कार्यबल को वरिष्ठ प्रबंधन के सदस्यों के साथ संवाद के अधिक से अधिक अवसर मिलें।'' पति ने विश्वास जताया कि भविष्य में महिलाओं को नेतृत्व करने के अधिक अवसर मिलेंगे। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे कंपनी द्वारा संचालित कैरियर विकास और सशक्तिकरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण अनेक योजनाओं में बढ़चढ़ कर भागीदारी सुनिश्चित करें।

यदि बालको में सीधे नियोजन की बात की जाए, तो इस वक्त बड़ी संख्या में कुशल महिलाएं सफलतापूर्वक विभिन्न महत्वपूर्ण परिचालन एवं तकनीकी भूमिकाएं निभा रही हैं, जिनमें धातु उत्पादन, लॉजिस्टिक्स, सिविल कार्य, आधारभूत संरचना, वित्त, सुरक्षा एवं कमोडिटी प्रोक्योरमेंट आदि कार्य शामिल हैं। उन्हें प्रबंधन और कर्मचारी हित से जुड़े सभी मामलों में पूरी बराबरी से निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर मिलता है। बालको में कार्य स्थल पर तथा टाउनशिप में महिलाएं अपने आपको पूरी तरह सुरक्षित महसूस करती हैं क्योंकि बालको के सुरक्षा संबंधी इंतजाम काफी पुख्ता हैं। टाउनशिप परिसर में जहां किसी भी बाहरी व्यक्ति का अनाधिकृत प्रवेश वर्जित है वहीं कार्य स्थल पर महिला अधिकारों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रकोष्ठ गठित है।